

प्रभावित होना दिखाया जाए वि. (तत्.) 1. समान गुणों वाला, समान प्रकृति वाला 2. अनुकूल, मनपसंद 3. आज्ञाकारी।

**अनुगूँज स्त्री.** (तत्.) [अनु+हि.गूँज] 1. किसी प्रकार की ध्वनि के पश्चात् होने वाली आवाज, प्रतिध्वनि 2. **बाह्य.** किसी व्यक्ति, वस्तु आदि की विशेष योग्यता या गुण की लोगों में की जाने वाली जोर-शोर से चर्चा।

**अनुग्रह पुं.** (तत्.) दूसरे का दुःख दूर करने की इच्छा, कृपा, दया, अनुकंपा।

**अनुग्रह अनुदान पुं.** (तत्.) असाधारण परिस्थितियों में (जैसे- विपदाग्रस्त लोगों को) अनुकंपा के रूप में दी जाने वाली आर्थिक सहायता।

**अनुग्रह काल पुं.** (तत्.) दे. अनुग्रह अवधि।

**अनुग्रह-अवधि स्त्री.** (तत्.) बाणि. किसी को अनुग्रह के रूप में दिया गया वह समय जो किसी हुंडी आदि की एक निश्चित अवधि बीत जाने के बाद उसके भुगतान के लिए स्वीकार किया जाता है, रियायती दिन/समय grace period

**अनुग्रहधन पुं.** (तत्.) 1. किसी कर्मचारी को उसकी सेवा के अनुरूप उसके कल्याणार्थ दिया जाने वाला धन, अनुग्रह राशि 2. विषम परिस्थिति में किसी कर्मचारी या उसके परिवार को सहायतार्थ दी जाने वाली धनराशि, अनुकंपा राशि।

**अनुग्रह राशि स्त्री.** (तत्.) दे. अनुग्रह अनुदान।

**अनुग्रहार्थ अव्य.** (तत्.) अनुग्रह के रूप में।

**अनुग्रहीत वि.** (तत्.) जिस पर अनुग्रह किया गया हो, उपकृत।

**अनुग्राहक वि.** (तत्.) [अनु+ग्राहक] अनुग्रह करने वाला (कोई व्यक्ति या अधिकारी), अनुकंपा करने वाला, कृपालु।

**अनुग्राही वि.** (तत्.) 1. अनुग्रह करने वाला, कृपालु, उपकारी 2. सहायक।

**अनुग्राह्य वि.** (तत्.) अनुग्रह का पात्र।

**अनुघटना स्त्री.** (तत्.) मनो. जीवन में या प्रकृति में एक घटना के पश्चात् होने वाली एक दूसरी घटना जिसका पहले वाली घटना से सीधे कोई कार्य-कारण संबंध संभावित नहीं होता 2. एक घटना के पश्चात् घटित दूसरी घटना।

**अनुचर पुं.** (तत्.) 1. पीछे चलनेवाला, नौकर, सेवक 2. सहचर, साथी 3. सहायक।

**अनुचरण पुं.** (तत्.) 1. पीछे पीछे चलने का भाव या क्रिया। 2. सेवाकर्म जैसे- संतों का अनुचरण।

**अनुचरवर्ग पुं.** (तत्.) सेवक वर्ग, परिचारक वर्ग।

**अनुचरी स्त्री.** (तत्.) सेविका, दासी, परिचारिका, सहायिका।

**अनुचारक पुं.** (तत्.) सेवक, परिचारक, अनुगामी, सहायक।

**अनुचारिका स्त्री.** (तत्.) दे. अनुचरी।

**अनुचारी वि.** (तत्.) दे. अनुचरी।

**अनुचिंतन पुं.** (तत्.) मनन, सोच-विचार, गौर, किसी विषय या बात पर फिर से चिंतन करना, लगातार चिंतन।

**अनुचिंता स्त्री.** (तत्.) [अनु+चिंता] 1. किसी गत बात का चिंतन 2. निरंतर चिंतन 3. सोच-विचार की प्रक्रिया 4. किसी का सतत स्मरण।

**अनुचिंतित वि.** (तत्.) [अनु+चिंतित] जिस घटना या स्थिति का अनुचिंतन किया गया हो, अर्थात् बाद में ठीक से उस पर सोचा विचारा गया हो।

**अनुचित वि.** (तत्.) अनुपयुक्त, बुरा, खराब, प्रतिकूल, नामुनासिब।

**अनुचितार्थ पुं.** (तत्.) [अनुचित+अर्थ] अनुचित अर्थ, जिस बात का अर्थ उचित न हो साहि. वाक्य में प्रयुक्त किसी शब्द का अनुचित अर्थ होने का दोष, एक प्रकार का शब्द दोष।

**अनुचित्रण पुं.** (तत्.) [अनु+चित्रण] चित्र को नकल करके बनाना, (मुद्रण) चित्र को दूसरी जगह उतारने की प्रक्रिया, जैसे- अनुचित्रण